अहम कदम : पेट्रोल में मिश्रण वाले एथनॉल के खरीद मूल्य में वृद्धि

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : गन्ना किसानों की तकलीफें दूर करने के लिए चीनी उद्योग को संकट से उबारने की दिशा में अहम कदम उठाते हुए सरकार ने पेट्रोल में मिलाने के लिए एथनॉल की कीमत में भारी भरकम 25 प्रतिशत की वृद्धि की है। गन्ने के रस से चीनी के बजाय पूरा एथनॉल बनाने वाली मिलों से अब इसकी खरीद 59.13 रुपये प्रति लीटर के भाव पर होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट की आर्थिक मामलों संबंधी समिति ने इस आशय के प्रस्ताव पर मुहर लगाई।

पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बताया कि यह निर्णय बुधवार को हुई कैबिनेट की बैठक में लिया गया है। फिलहाल इसकी कीमत 47.13 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि सरकार ने बी-हैवी मोलेसेस से बनने वाले एथनॉल की कीमत भी 47.13 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 52.43 रुपये प्रति लीटर कर दी है। हालांकि सी-हैवी मोलेसेस की कीमत 43.70 रुपये प्रति लीटर से मामूली घटाकर 43.46 रुपये प्रति लीटर करने का फैसला किया गया है।

प्रधान ने कहा कि जो चीनी मिल गन्ने से सीधे एथनॉल बनाएंगी उन्हें सरकार प्रोत्साहन के तौर पर ज्यादा भाव देगी। उन्होंने कहा कि इस कदम से चीनी उद्योग को संकट से उबारने में मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि ब्राजील सहित कई देशों में गन्ने से सीधे एथनॉल बनाया जा रहा है। उसे वहां पेट्रोल में मिलाकर बेचा जा रहा है। माना जा रहा है कि देश में ही बने एथनॉल को पेट्रोल में मिश्रित करने से कच्चे तेल के आयात की निर्भरता कम होगी। उल्लेखनीय है कि सरकार के इस कदम से चीनी मिलों को उन पर बकाया किसानों के भुगतान को जारी करने में मदद मिलेगी। देशभर में चीनी मिलों पर किसानों का 13,000 करोड़ रुपये बकाया है। इसमें भारी भरकम 40 प्रतिशत राशि अकेले उत्तर प्रदेश में चीनी मिलों पर बकाया है।

कैबिनेट के अन्य फैसले

- गन्ने से सीधे उत्पादित एथनॉल का मूल्य 25 फीसद बढ़कर 59.13 रुपये
- अप्रत्यक्ष रूप से उत्पादित एथनॉल का भी मूल्य बढ़ा
- पुराने तेल क्षेत्रों से उत्खनन बढ़ाने को सरकारी लेगी आधा सेस
- एक्जिम बैंक के ब्लॉकचेन संबंधी समझौते को मिली अनुमति

Dainik Jagran
13/9/2018